घटना का हलुवा

■ प्रफुल्ल कोलख्यान

लोक किसी और तरह से कहता है। मैं किसी और तरह से सुनता हूँ! मैं जिस तरह से सुनता हूँ, आप को उस तरह से सुनाता हूँ। आप चाहें तो किसी और तरह से सुन-पढ़ सकते हैं। यह आप पर है।

जो मैंने सुना, वह सुनाता हूँ। एक आदमी है। उसके कई बच्चे हैं। एक बच्चा किसी बड़े बैंक में रोकड़िया यानी कैश-क्लर्क लग गया और एक उसी बैंक में लिफ्ट मैन की नौकरी पा गया। आदमी को खुशी हुई। उन बच्चों की माँ भी खुशी से फूली नहीं समाई। दिन पर दिन, महीने पर महीने बीतते गये। घर में कानी कौड़ी नहीं आई। धीरे-धीरे खुशी बिलाती गई और उदासी छाने लगी। बच्चों की माँ के कहने पर सुदामा की पोटली थामे आदमी बैंक तक पहुँचा। आदमी ने देखा, बच्चा कैश-काउंटर पर बैठा लोगों को पैसा बाँट रहा था। आदमी कैश-काउंटर की तरफ लपका। लाइन में लगे लोगों ने रोकने की कोशिश की। बच्चे का ध्यान आदमी की तरफ गया। उसने हाथ के इशारे से लाइन से हट जाने को कहा। वह देखता रहा। देखता रहा लोग लाइन में लगते हैं और ढेर सारा रुपया गिनते हुए निकल जाते हैं। एक दो बार उसने फिर कोशिश की। कोशिश कि उसे भी कुछ मिल जाये। हर कोशिश पर दुत्कारा गया। अंत में हार कर लिफ्ट मैन की तरफ गया। वहाँ तो और भी अचरज। एक बंद कमरे में बच्चा खड़ा है। बच्चा ने आदमी को देखा। बच्चा ने बाहर बैठने का इशारा किया। देखता क्या है कि एक बुढ़िया आई। उसे बच्चा ने अपने कमरे में बंद कर लिया। थोड़ी देर के बाद वह बिल्कुल जबान बनकर निकली। फिर एक बूढ़ा आया उसे भी उसने अपने कमरे में बंद कर लिया। हाय! थोड़ी देर में उसने देखा अरे उसका भी

हुलिया बदला हुआ है। आदमी सोचने लगा कि बुढ़िया को लेकर आया होता तो उसकी मरम्मत भी करवा लेता। खैर फिर कभी, भी तो वह अपनी मरम्मत करवा ले। वह लिफ्ट की तरफ लपका। फिर दुत्कारा गया। अंत में वह निराश होकर गाँव लौटने लगा। कैश-काउंटर से बच्चा बाहर आया यह कहने की उसके पास एक भी पैसा नहीं है। लिफ्ट से बच्चा आया यह कहने कि वह कुछ नहीं कर सकता, लाचार है।

गाँव पहुँचकर आदमी पत्नी को सुदामा की पोटली थमाते हुए सारी कहानी भख गया। दोनों ने घटना का हलुवा निकाला। दुनिया को लुटाने के लिए पैसा है, उसके लिए नहीं। दुनिया के लोगों की मरम्मत कर सकता है। जादूगर है। उसके मामले में लाचार है। हलुवा यह कि जो पूत परदेश गया, गया सो गया...।

यह संसार बड़ा विचित्र है। दिखता कुछ और है, होता है कुछ और! सब माया है, मनुआ तू क्यों होता उदास है!

सुना जो मैंने आप से कहा, अब आप ने जो सुना आप जानें ...